



पितरों को नमन

बचपन से मिले संस्कार, अनुशासन

धर्म, संस्कार और अनुशासन में रहना उनके जीवन का अभिन्न हिस्सा थे. पिता स्वर्गीय उदय नारायण अवस्थी संस्कृत विषय के शिक्षक थे. उस समय बचपन में शायद हम उन बातों की गहराई को पूरी तरह समझ नहीं पाते थे, लेकिन आज जब जीवन के इस पड़ाव पर पीछे मुड़कर देखते हैं, तो महसूस होता है कि उन्होंने बचपन में हमारे भीतर जो संस्कार बोए थे, वही आज हमारे जीवन की सबसे बड़ी पूंजी हैं. उनके आशीर्वाद से सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों से जुड़कर समाज में एकता, संस्कार, शिक्षा, सेवा और सहयोग की भावना को आगे बढ़ाने का प्रयास निरंतर जारी है. यह यात्रा केवल मेरी व्यक्तिगत यात्रा नहीं है. इसके पीछे मेरे माता-पिता और पूर्वजों द्वारा दिए गए संस्कारों की वह नींव है, जिस पर आज जीवन की सेवा-यात्रा खड़ी है. उनका धर्म के साथ-साथ शिक्षा, अनुशासन, सेवा और समाज के प्रति जिम्मेदारी का जो भाव था, आज उन्हीं संस्कारों को आगे बढ़ाना उनके प्रति श्रद्धांजलि है.

- डॉ. श्रीकांत अवस्थी

नानी के संस्कारों ने दिखाई समाज सेवा की राह

जीवन में मिले संस्कार और परिवार से मिली सीख व्यक्ति के व्यक्तित्व को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. स्वर्गीय नानी भूरी बाई मालवीय के संस्कारों और सेवाभाव ऐसी छाया पड़ी कि मेरा पूरा जीवन समाज के लिए समर्पित है. बचपन से नानी के सानिध्य में रहा, इसलिए उनकी धार्मिक आस्था, सरल जीवन और जरूरतमंदों की मदद करने के भाव को करीब से देखा और इन्हीं संस्कारों को अपने जीवन का आधार बनाया. वे नियमित रूप से पूजा-पाठ करतीं और परिवार के सदस्यों को भी धर्म, अच्छे विचार और सकारात्मक सोच के साथ जीवन जीने की प्रेरणा देती थीं. नानी के संस्कारों से शहर के प्राचीन श्री बड़वाले महादेव मंदिर में सेवक बना. इसी प्रेरणा को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने सेवा संकल्प युवा संगठन का गठन किया और युवाओं के साथ सामाजिक, धार्मिक एवं पर्यावरण के क्षेत्र में निरंतर सेवा कार्यों को आगे बढ़ा रहा है.

- प्रकाश मालवीय

अपने पूर्वजों की अनमोल यादों, प्रेरणादायी प्रसंगों और जीवन से जुड़ी भावुक स्मृतियों को शब्दों में सहेजें. आप भी अपनी स्मृतियां साझा करना चाहते हैं, तो 100 शब्दों में लिखकर भेजें. भेजने वाले का नाम एवं फोटो भेजें. साथ ही धर्म, समाज से जुड़ी खबरें भी भेज सकते हैं.

मोबाइल नंबर - 9669376505

नगर में आज

माह का प्रादर्श

समय- सुबह 11 बजे से, स्थान- मानव संग्रहालय

चित्र प्रदर्शनी

समय- सुबह 11 बजे से, स्थान- जनजातीय संग्रहालय

एक नजर में



अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में हुई प्रतियोगिताएं

भोपाल, 5 अक्टूबर. अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में अग्रवाल महिला मंडल बाल विहार के द्वारा प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिसमें समाज के बच्चों एवं महिलाओं ने भाग लिया.



संत हरिदराम नगर में एसीपी का किया स्वागत

भोपाल, 5 अक्टूबर. संत हरिदराम नगर क्षेत्र में एसीपी के पद पर नियुक्त रत्नेश तोमर के पदभार ग्रहण करने पर हीरो हिंदू अध्यक्ष एवं हीरो फैस वलब की ओर से स्वागत किया गया. समारोह में हीरो फैस वलब के महासचिव नानक ददलानी सहित प्रभुदास मूलवंधानी, मधु घनश्याम, प्रकाश मीणा, राजकुमार ददवानी और रीत ललवाना सहित वक्त्र के अन्य सदस्य एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे. सभी ने एसीपी रत्नेश तोमर को राम दरबार का छायाचित्र भेंट कर सम्मानित किया.

विना बड़ी सर्जरी रोगों का इलाज संभव

भोपाल, 5 अक्टूबर. इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी से कई जटिल रोगों का उपचार विना बड़ी सर्जरी के संभव है. इस आधुनिक उपचार पद्धति को लेकर एम्पी चैप्टर, ड्रिडियन सोसायटी ऑफ वैस्कुलर एंड इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी (आइएस्वीआईआर) की ओर से 3 और 4 अक्टूबर को भोपाल में विरकॉन 1.0 सम्मेलन आयोजित किया गया. इसमें देशभर के विशेषज्ञों ने आधुनिक उपचार तकनीकों पर चर्चा की. विशेषज्ञों ने बताया कि ब्रेन स्ट्रोक, ब्रेन एन्जुरिज्म, पैरों की धमनियों में रुकावट, डीवीटी, फेफड़ों में रक्त का थक्का, कैंसर, प्रोस्टेट, थायरॉयड और अन्य रोगों में इंटरवेंशनल तकनीक उपयोगी हो सकती है. कैथेटर, छोटी सुई और अत्याधुनिक इमेजिंग तकनीकों की मदद से शरीर के प्रभावित हिस्से तक पहुंचकर उपचार किया जाता है.

व्याख्यान

‘पारिस्थितिकीय लचीलापन, जलवायु संबंधी चुनौतियां एवं सतत विकास’ विषय पर विचार व्यक्त किए

जलवायु परिवर्तन से निपटने प्रकृति, विकास में संतुलन जरूरी

नवभारत न्यूज भोपाल, 5 अक्टूबर. भारतीय विज्ञान (आईआईएससी), बेंगलुरु के प्रोफेसर डॉ. टी.वी. रामचंद्र ने कहा है कि जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए विकास की योजना में प्रकृति, जल और पारिस्थितिकी तंत्र को केंद्र में रखना होगा. उन्होंने कहा कि अनियोजित शहरीकरण के कारण हरित क्षेत्रों, तालाबों और आर्द्रभूमियों का नुकसान शहरों में बढ़ती गर्मी और जल संकट का प्रमुख कारण बन रहा है. डॉ. रामचंद्र सोमवार को नेशनल सेंटर फॉर ह्यूमन

विविध पर बोल रहे थे. बेंगलुरु के अपने अध्ययन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि शहर में हरित क्षेत्र और वेटलैंड्स की संख्या और क्षेत्रफल के लगातार घटने से तापमान में वृद्धि, भूजल उपलब्धता में कमी और जल संकट जैसी समस्याएं बढ़ी हैं. उन्होंने जक्कुर झील के एकीकृत जैव-उपचार मॉडल का उदाहरण देते हुए कहा कि शहरी आर्द्रभूमियां जल संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण और शहरों को अधिक रहने योग्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं. डॉ. रामचंद्र ने कहा कि भविष्य के शहरों की योजना जल-केंद्रित होनी चाहिए और शहरी जलागम क्षेत्रों में पेड़,



कालीबाड़ी मंदिर में होगा गरबा साकेत नगर कालीबाड़ी मंदिर देगा पर्यावरण संरक्षण का संदेश

नवभारत न्यूज भोपाल, 5 अक्टूबर. नवरात्रि पर्व के नौ दिनों बंगाली समाज पारंपरिक रीति-रिवाजों और विशेष पूजा-अर्चना के साथ मां दुर्गा की आराधना करता है. बंगाली परिवारों और सामाजिक संगठनों द्वारा धार्मिक अनुष्ठान, पूजा-पाठ और सांस्कृतिक कार्यक्रम किए जाएंगे.

इस दौरान बंगाली समाज की पारंपरिक संस्कृति को झलक देखने को मिलेगी. महिलाएं पारंपरिक परिधान में पूजा-अर्चना में शामिल होंगी, वहीं बच्चों और युवाओं के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम रखे गए. वहीं श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण और सामूहिक भोग की व्यवस्था रहेगी.



बरखेड़ा : कालीबाड़ी मंदिर में संगीत संध्या पर विशेष फोकस

भेल बरखेड़ा कालीबाड़ी मंदिर समिति के महासचिव सुजय कुमार मल्लिक ने बताया कि कालीबाड़ी समिति मां दुर्गा उत्सव की तैयारी बड़ी धूमधाम से कर रही है. 10 अक्टूबर को महालया प्रोग्राम होगा. जिसमें पूजा उपरांत संगीत संध्या एवं भंडारा होगा. मुख्य कार्यक्रम 16 से 21 अक्टूबर तक चलेगा. जिसमें प्रतिदिन माता रानी की पूजा पुष्पांजलि आरती एवं कल्चरल प्रोग्राम आयोजित किए जाएंगे. बंगाल के कलाकारों एवं लोकल आर्टिस्ट द्वारा संगीत संध्या का आयोजन किया जाएगा.



साकेत नगर : सांस्कृतिक आयोजन में वेश-भूषा रहेगी आकर्षण का केंद्र

साकेत नगर कालीबाड़ी बंगिया सांस्कृतिक मंडल समिति द्वारा मंदिर में नवरात्रि पर विशेष पूजा अर्चना की जाएगी. पर्व को लेकर मंदिर परिसर को रंगों से सजाया जा रहा है. आयोजन समिति के जनरल सेक्रेटरी अमिताभ नंदी ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिगत पूरा आयोजन प्लास्टिक मुक्त रहेगा. 10 अक्टूबर को पहले दिन सुबह 6.30 बजे पूजा, 8.30 बजे पुष्पांजलि और 9.30 बजे भोग प्रसादी का वितरण होगा. 20 अक्टूबर को नवमी और 21 अक्टूबर को दशहरा के दिन विशेष पूजा-अर्चना का दौर सुबह से शुरू होगा, जो देररात तक जारी रहेगा. इसी दिन शाम को जुलूस भी निकलेगा, जिसमें बंगाली समाज की महिलाएं और बच्चे आकर्षक वेश-भूषा में नजर आएंगे.



पंचशील नगर : बच्चों की फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता होगी

बंगाली दुर्गा मंदिर पंचशील नगर में बंगाली कॉलोनी स्थित मंदिर में नवरात्रि पर्व पर प्रतिदिन मां काली की महाआरती होती है. समिति के धिरेन कबुलाशी ने बताया कि सप्तमी को पूजा ऊलुरु ध्वनि के साथ होगी. बच्चों फैंसी ड्रेस के साथ आरती कॉम्पटीशन में भाग लेंगे. 18 अक्टूबर को बंगाली समाज की महिलाएं गरबा डांस करेंगी, इसके बाद आरती कॉम्पटीशन होगा. 19 को गीत संगीत होगा. 20 को आरती कॉम्पटीशन और बंगाल के प्रसिद्ध कलाकार गोपाल दास बाबुल गाने की शानदार प्रस्तुत देंगे.



विश्वास सारंग अकादमी ने जीता मैच शिक्षकों ने रचा सामूहिक कला-शिल्प

► प्री-सारंग लीग अंडर-15 क्रिकेट टूर्नामेंट

नवभारत न्यूज भोपाल, 5 अक्टूबर. स्थानीय गौतम नगर खेल मैदान पर खेली जा रही प्री-सारंग लीग क्रिकेट टूर्नामेंट (अंडर-15) के फाइनल मुकाबले में विश्वास सारंग क्रिकेट अकादमी ने अरेरा क्रिकेट अकादमी को 128 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया. वीएस क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 40 ओवर में 303/9 का विशाल स्कोर खड़ा किया जिसमें अभिषेक यादव ने मात्र 111 गेंदों पर 154 रन की शानदार पारी खेली. उनकी पारी में 25 चौके और 5 छक्के शामिल रहे.

► कला, संगीत और कविता को एक सूत्र में पिरोया

नवभारत न्यूज भोपाल, 5 अक्टूबर. विश्व शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित 'बिग्यान्ड द आर्टस्' प्रदर्शनी में शिक्षकों ने एक अनूठी सामूहिक कला गतिविधि 'एलिमेंट्स इन कन्वर्सेशन' के माध्यम से रचनात्मकता, सहयोग और सीखने की भावना का उत्सव मनाया. यह आयोजन केवल कला देखने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि शिक्षकों ने स्वयं मिलकर एक आकर्षक इंस्टालेशन कला-कृति का निर्माण किया. गतिविधि की शुरुआत कुछ साधारण वेस्ट

एमसीयू में मनाई रानी दुर्गावती की जयंती

भोपाल. माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के एसटी/एससी सेल द्वारा लता मंगेशकर सभागार में रानी दुर्गावती जयंती मनाई गई. कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जनजातीय विशेषज्ञ रंजना चितले ने कहा कि रानी दुर्गावती का जीवन महिला सशक्तिकरण की अनुपम मिशाल है, उन्होंने कभी भी अपनी अस्मिता, अस्तित्व और स्व से समझौता नहीं किया. कार्यक्रम संयोजक डॉ गजेन्द्र सिंह अवास्या ने मुख्य अतिथि रंजना चितले को पुस्तक भेंटकर सम्मानित किया. रंजना चितले ने बताया कि रानी दुर्गावती गोंडवाना की वीर और साहसी शासिका थीं, जिन्होंने नारी सशक्तिकरण का उदाहरण प्रस्तुत किया.

► संगोष्ठी में सांसद आलोक शर्मा ने कहा-

नवभारत न्यूज भोपाल, 5 अक्टूबर. सोशल मीडिया ने अभिव्यक्ति के नए और व्यापक मंच उपलब्ध कराए हैं. लेकिन अमर्यादित भाषा का बहुत इस्तेमाल समाज के लिए चिंता का विषय है. यह विचार सोमवार को सांसद आलोक शर्मा ने भोपाल प्रेस क्लब द्वारा आयोजित 'वर्तमान परिप्रेक्ष्य में हिंदी पत्रकारिता' विषय पर आयोजित संगोष्ठी और पत्रकार सम्मान समारोह में व्यक्त किए. कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार अजय बोकिल और गिरीश उपाध्याय विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे. कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार

कैम्पियन स्कूल और डीपीएस कोलार विजयी

भोपाल. डॉ. गोविन्द नारायण सिंह 'दाऊ साहेब' इंटर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता में कैम्पियन टीम ने आइकॉनिक स्कूल को 5 विकेट से पराजित किया. पहले बल्लेबाजी करते हुए आइकॉनिक की पूरी टीम 17.5 ओवर में 41 रन पर सिमट गई. जवाब में कैम्पियन स्कूल ने 5.4 ओवर में एक विकेट खोकर 45 रन बनाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया. दूसरे मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बैंक ऑफिसर्स की टीम 19.2 ओवर में 45 रन बनाकर ऑलआउट हो गई. लक्ष्य का पीछा करने उतरी डीपीएस कोलार की टीम ने बिना कोई विकेट गंवाए 51 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया. प्रथम को मेन ऑफ द मैच चुना गया.

तेजी से दिखाई दे रहा जलवायु परिवर्तन का असर

डॉ. रामचंद्र ने कहा कि विज्ञान और तकनीकी नीति-निर्माताओं को वैज्ञानिक आधार पर बेहतर निर्णय लेने में मदद कर सकती है. जलवायु परिवर्तन का प्रभाव खाद्य सुरक्षा, जल उपलब्धता, जनस्वास्थ्य और शहरों पर तेजी से दिखाई दे रहा है, इसलिए नीतियों के साथ स्थानीय स्तर पर व्यावहारिक समाधान लागू करना जरूरी है. कार्यक्रम में पूर्व मुख्य सचिव शरत चंद्र बेहार, आर. परसुराम, अरुण गुट्टू सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, युवा और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे. कार्यक्रम की अध्यक्षता एनसीएचएसई के चेयरमैन पी.के. दाश ने की. महानिदेशक डॉ. प्रदीप नंदी ने स्वागत किया और सुनील शुक्ला ने संचालन किया.



विद्यार्थियों ने पानी-हवा के दबाव से उड़ाया रॉकेट

नवभारत प्रतिनिधि भोपाल, 5 अक्टूबर. आंचलिक विज्ञान केंद्र में आयोजित 100 घंटे खगोल विज्ञान कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने जब पानी और हवा के दबाव से उड़ने वाले रॉकेट के मॉडल बनाकर उनका सफल प्रक्षेपण किया, तो पूरा परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गुंज उठा. इस अनूठे प्रयोग के माध्यम से बच्चों ने रॉकेट विज्ञान और अंतरिक्ष प्रणोदन के कठिन सिद्धांतों को बेहद खेल खेल में समझ लिया. अंतर्राष्ट्रीय खगोलीय संध के वैश्विक

अभियान के तहत चार दिवसीय आयोजन का मुख्य विषय हमारे सौरमंडल का एक नया दृष्टिकोण रखा गया था. आयोजन में हॉल ऑफ स्पेस एक्सप्लोरेशन के विशेष गैलरी भ्रमण में आए विद्यार्थियों और परिवारों को भारत की अब तक की अंतरिक्ष यात्रा और इसरो की महान उपलब्धियों को नजदीक से देखने और समझने का अवसर मिला. इसके साथ ही अंतरिक्ष की विशालता और ग्रहों की गति से जुड़े गूढ़ रहस्यों को केंद्र के विशेषज्ञों ने बेहद सरल भाषा में सभी के सामने प्रस्तुत किया.

ऑनलाइन खगोल विज्ञान प्रतियोगिता हुई

कार्यक्रम के दौरान आयोजित ओपन हाउस विवेक और ऑनलाइन खगोल विज्ञान प्रतियोगिता में शहर के सैकड़ों युवाओं और आम नागरिकों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया. सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों को मौके पर ही प्रोत्साहित किया गया. जिससे वहां मौजूद हर व्यक्ति में विज्ञान के प्रति एक नई जिज्ञासा देखने को मिली. पूरे आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं और विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना तथा ब्रह्मांड के रहस्यों को समझने के लिए प्रेरित करना रहा.

मास्टर प्लान को लेकर सुझाव देंगी साहित्यिक संस्थाएं

► दुर्घत संग्रहालय में हुई बैठक में लिया निर्णय

नवभारत न्यूज भोपाल, 5 अक्टूबर. शहर की साहित्यिक और सांस्कृतिक संस्थाएं भोपाल विकास योजना 2047 के प्रारूप (मास्टर प्लान) पर अपनी जरूरतों का संयुक्त प्रतिवेदन तैयार करेंगी. दुर्घत कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय के सभागार में हुई बैठक में तय किया गया कि प्रत्येक संस्था अपना-अलग लिखित सुझाव व आपत्ति पत्र देगी. इन्हें 'कमाल का भोपाल' के शोध-आधारित सुझावों के साथ जोड़कर शासन के समक्ष प्रस्तुत करने की तैयारी की जाएगी. बैठक में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. देवेंद्र दीपक ने संस्थाओं का ध्यान प्रारूप पर दिलाया था. बैठक में भवन, सभागार, साहित्यकारों की आवास संबंधी आवश्यकताओं और रंगमंच सहित सुविधाओं पर चर्चा हुई. संयुक्त प्रतिवेदन तैयार कराने का



साहित्यिक-सांस्कृतिक संस्थाओं की मांग

- साहित्यिक-सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए संस्थाओं के कार्यालय, सभागार, पुस्तकालय और वाचनालय के लिए स्थान उपलब्ध हो.
- प्रमुख क्षेत्रों और नियोजित उपनगरों में छोटे, मध्यम और बड़े बहुउद्देशीय सभागार तथा थियेटर हो. संध ने इनके उपयोग में साहित्यिक गोष्ठियों, कविता-कहानी पाठ, संगीत, नृत्य, बाल रंगमंच, पुस्तक लोकार्पण, कला प्रदर्शनियों और युवा कलाकारों के कार्यक्रमों को शामिल किया है.
- साहित्यिक-सांस्कृतिक संस्थाओं और पंजीकृत कला समूहों के लिए रियायती किराया तथा बाहर से आने वाले साहित्यकारों और संस्कृतिकर्मियों के लिए रसती, सुलभ आवास व्यवस्था को सुझाव है.
- नए आवासीय क्षेत्रों और उपनगरों में सांस्कृतिक केंद्र, पुस्तकालय, वाचनालय, कला दीर्घा, लघु सभागार और अभ्यास की सुविधाओं के लिए भूमि आरक्षित करने की है.

